हिंदी अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त

हिंदी अध्ययन मंडल की बैठक गुरुवार दिनांक २० अगस्त २०२० शाम ठीक ५.०० बजे रामनिरंजन महाविद्यालय के जूम क्लाउड मीटिंग पर आयोजित की गयी.

बैठक का लक्ष्य	बी. ए. तथा एम. ए. कला शाखा के पाठयक्रम की चर्चा एवं २०२०-२१ शैक्षणिक वर्ष के पाठयक्रम को निश्चित करना.
उपस्थिति	डॉ. मिथिलेश शर्मा, डॉ. सतीश पाण्डेय, डॉ. सुनीता साखरे, डॉ. उषा मिश्रा, प्रा. दिनेश पाठक.
प्रस्तावित चर्चा एवं विचार-विमर्श के विषय	1) प्रथम वर्ष बी. ए. अनिवार्य हिंदी एवं ऐच्छिक हिंदी के पाठ्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा करना. 2) बी.ए. तथा एम. ए. के पाठ्यक्रम ो ब्लेंडेड लर्निंग (मिश्रित अध्ययन) हेतु सक्षम बनाने पर चर्चा करना.
सुझाव एवं बदलाव प्रस्ताव	1) प्रथम वर्ष बी.ए. अनिवार्य हिंदी एवं ऐच्छिक हिंदी के पाठ्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए उसे तकनीकी से जोड़ने का सुझाव दिया गया. 2) बी.ए. तथा एम. ए. के पाठ्यक्रम ो ब्लेंडेड लर्निंग (मिश्रित अध्ययन) हेतु सक्षम बनाने के लिए चॉक और डस्टर, ऑडियो, वीडियो, यू ट्यूब लिंक, पॉवर प्वाइंट प्रेज़ेंटेशन, ऑनलाईन सामग्री, ई कंटेंट, पोस्टर, गूगल फॉर्म, गूगल क्लास रूम, सिनेमा इत्यादि साधनों क प्रय ग करने का सुझाव दिया गया. 3) वर्ष २०२१-२२ हेतु, बी.ए. (छह सत्र) तथा एम. ए. (चार सत्र) सभी दस सत्रों के पाठ्यक्रम कसत्रों के स्तर के आधार पर हिंदी साहित्य कतकनीक, कला और रोजगार से सामंजस्य स्थापित करते हुए सुव्यवस्थित तरीके से पुनः निर्धारित करने का सुझाव दिया गया.
निर्णय	गहन विचार विमर्श के उपरान्त हिंदी अध्ययन मंडल ने प्रथम वर्ष बी. ए. अनिवार्य हिंदी एवं ऐच्छिक हिंदी को प्रभावी बनाने तथा बी.ए. और एम. ए. के पाठयक्रम ो ब्लेंडेड लर्निंग हेतु सक्षम बनाने े लिए उपरोक्त सभी सुझाव एवबदलाव े आधार पर सर्व स्वी ृ ति प्रदान ी.

प्रस्तावित विषयों पर विचार-विमर्श के उपरान्त सभी सम्माननीय सदस्यों का आभार मानते हुए बैठक समाप्त की गयी.

डॉ. मिथिलेश शर्मा
हिंदी विभागाध्यक्ष